Final Report of the Minor Research Project

NAREESH MEHTA KE KAVYAE MEIM NAREE SWATHANTHRATHA

Submitted to

University Grants Commission

MRP(H)-1245/13-14/KLM G020/UGC-SWRO

Dr. Neerada Maria Kurian
Assistant Professor in Hindi
Nirmala College, Muvattupuzha
Kerala - 686 661

8H1.09 NEE-N
PR0023

प्राक्कथन

आधुनिक हिन्दी साहित्य की सबसे श्रेष्ठतम विधा कविता की विकास यात्रा में नयी कविता की अहम भूमिका एवं अलग पहचान है। छायावाद की वायवीयता, अतिशय भावुकता और कोमल कल्पना की राह से निकलकर जब हिन्दी कविता यथार्थोन्मुखी रचना संसार में पदार्पण किया तो प्रगति और प्रयोग के दो रास्ते आगे थे। प्रयोगवाद का विकास ही कालान्तर में नई कविता के रूप धारण किया।

नयी कविता की ओर ध्यान देते वक्त श्री नरेश मेहता की काव्य रचनाओं का स्थान उम्दा प्रतीत होता है। उनकी रचनाओं में नारी की प्रमुखता विद्यमान है। उनके काव्य में नारी स्वतंत्रता विषय अपनी इस शोध केलिए चुन लिया। 'नारी' अपनी शक्ति से बिलकुल अवगत नहीं है। ज़िन्दगी के हर पल में वह एक संबन्ध बनकर रहती है। कभी पत्नी, कभी बेटी, कभी माँ, कभी बहिन, कभी दोस्त। अपनी स्वतंत्रता का नारी बिलकुल परवाह नहीं करती। अपने एकांत के समय में ही वह अपनी असमिता पाती है।

इस शोध प्रबन्ध का विषय है - नरेश मेहता के काव्य में नारी स्वतंत्रता। इस शोध कार्य को पाँच अध्यायों में विभाजित किया है। पहले अध्याय में नयी कविता में श्री नरेश मेहता का स्थान निर्धारित किया है। इसमें नयी कविता का उद्भव, परिस्थितियाँ, विषय वस्तु आदि का विवेचन किया है। नरेश मेहता का व्यक्तित्व और कृतित्व का उल्लेख भी इसमें प्रस्तुत है।

दूसरे अध्याय में नरेश मेहता के प्रमुख काव्यों का विश्लेषण किया है। रचनाओं का संक्षिप्त परिचय सप्तक परम्परा, खण्डकाव्यों का विश्लेषण आदि उनकी काव्य कृतियों का विस्तृत विश्लेषण इसमें उदृत है।

तीसरा अध्याय नारी स्वतंत्रता के विभिन्न पहलुओं से युक्त है। इसमें कविता का स्त्री पक्ष, नारीवाद की पृष्ठभूमि, भारत में नारीवाद, महिला मानवाधिकार का प्रश्न और स्त्री विमर्श की स्थिति और गति का अंकन किया है। नरेश मेहता के काव्य में नारी स्वतंत्रता के विभिन्न परतों को उखाड दिया है। इसका विश्लेषण यहाँ किया है।

चौधा अध्याय में नरेश मेहता के काव्य की भाषिक संरचना का विश्लेषण हुआ है। बिंबयोजना, प्रतीक विधान, उपमान-योजना, अलंकृति आदि का प्रयोग इसमें हुआ है। पाँचवाँ अध्याय उपसंहार है। इसमें समग्र शोध कार्य के निष्कर्ष का उल्लेख हुआ है। हमारा विश्वास है कि समकालीन हिन्दी कविता को उसकी समग्रता में पहचानने में, मुख्य रूप से नारी संबन्धी विचारधारा को प्रस्तुत करने में यह अध्ययन प्रयोजनकारी हो सकता है।

निर्मला, कॉलेज

मूवाट्टुपुषा

डॉ. नीरदा मरिया कुर्यन

अनुक्रम

पृष्ठ संख्या

पहला अध्याय

नयी कविता में श्री नरेश मेहता का स्थान **1-17**

नयी कविता का उद्‌भव - परिस्थितियाँ - विषयवस्तु - नरेश मेहता का स्थान - नरेश मेहता - व्यक्तित्व और कृतित्व - पुरस्कार एवं सम्मान।

दूसरा अध्याय

नरेश मेहता के प्रमुख काव्य **18-33**

रचनाओं का संक्षिप्त परिचय - प्रबन्ध काव्य

तीसरा अध्याय

नरेश मेहता के काव्य में नारी स्वतंत्रता **34-59**

कविता का स्त्री पक्ष - नारीवाद की पृष्ठभूमि - भारत में नारीवाद - महिला मानवाधिकार - स्त्री विमर्श स्थिति और गति - नारी स्वतंत्रता - खण्डकाव्य में नारी भावना - महाप्रस्थान - प्रवाद पर्व - शबरी।

चौथा अध्याय 60-74

नरेश मेहता के काव्य - भाषिक संरचना

संशय की एक रात - महा प्रस्थान - प्रवाद पर्व -

पाँचवाँ अध्याय 75-77

उपसंहार

ग्रन्थ सूची 78-79